Q:- 10 सार्वजनिक बैंकों के संविलयन की क्या धारणा है? इसके कारण क्या हैं एवं भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभावों की व्याख्या करें?

→ **बैंकों का संविलयन**

2 या 2 से अधिक बैंकों को मिलाकर एक बैंक बनाने की धारणा को बैंकों का संविलयन कहा जाता है। यह सर्वप्रथम 1991 में ~~नरसिंहन~~ नरसिंहन कमिटी द्वारा शुरू की गई थी। इसमें मुख्यतः कमजोर बैंकों को मजबूत बैंकों के साथ जोड़कर उनका NPA कम किया जाता है एवं कार्यकारी खर्चे को कम किया जाता है।

2019 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने 10 सार्वजनिक बैंकों का संविलयन कर उसे 4 सार्वजनिक बैंक बना दिया। इनमें-

→ Oriental Bank of commerce एवं United Bank of India को Punjab National ~~Canara~~ Bank में

→ Allahabad Bank को Indian Bank में

→ Syndicate Bank को Canara Bank में एवं

→ Andhra Band एवं Corporation Bank को United Bank of India में संविलय किया गया।

BHOPAL
Established since 1990

कारण

बैंकों का संविलय का निम्नलिखित कारण हैं -

→ कई बड़े उद्योगपति बैंकों से लोन लेकर चुकाने में विफल रहे जिससे बैंकों का NPA बढ़ा।

→ सरकार द्वारा बैंकों में कर्मचारियों की संख्या का अधिक होना जिससे ज्यादा NPA के समय इनका वेतन देने में दिक्कत होना।

→ बैंकों का संविलय से ये बैंक बड़े होंगे एवं विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम होंगे।

→ बैंक ऋण लागत को कम कर अपनी परिचालन क्षमता बढ़ाएंगे।

→ विलय से बड़ा पूंजी आधार एवं उच्च तरलता दिखाई देगा जिससे सरकार का सार्वजनिक बैंकों का पुनर्पूंजीकरण का बोझ कम होगा।

UNIQUE BHOPAL Established since 1990

10.

भारतीय अर्थव्यवस्था में प्रभाव

सार्वजनिक बैंकों के विलय से भारतीय अर्थव्यवस्था में मिला-जुला प्रभाव रहा।

→ एक ओर जहाँ ऑपरेशन की लागत कम हुई तो दूसरी तरफ नई गवर्निंग बॉडी को कर्मचारियों के निराशा का सामना करना पड़ा।

→ जहाँ विलय से कमजोर बैंकों का NPA कम हुआ वहीं कमजोर बैंक विलय के कारण मजबूत बैंकों के दबाव में आते हैं।

→ बैंक NPA एवं लीकेज प्रबंधन से लाभान्वित हुए हैं। परन्तु बैंकों की खराब ऋण देने की व्यवस्था का उपचार करना होगा।

→ निरर्थक पदों एवं शाखाओं को समाप्त किया गया जिससे वित्तीय बचत होगी परन्तु बेरोजगारी बढ़ेगी।

निष्कर्ष

सार्वजनिक बैंकों के विलय से सरकार एवं अर्थव्यवस्था को काफी फायदा हुआ है क्योंकि बैंकों में पुनर्पूंजीकरण का सरकार का लागत कम हुआ एवं यह पूंजी किसी अन्य कार्य में लगेगा। इस विलय से बैंकों में सामंजस्य की भावना आएगी एवं मिलकर काम करेंगे। इससे देश की अर्थव्यवस्था को एक बड़ा फायदा पहुँचेगा।